दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

वर्षः 10 - अंक : 286, मुंबई, मंगलवार, 26 जनवरी, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

गणतंत्र दिन पर
Special Discount
समोसा ₹ ~~16/-~~ 11/-
जलेबी ₹ ~~540/-~~ 400/-
पोहा चिवडा ₹ ~~340/-~~ 280/-
Valid For: 25th-26th Jan.21
ONLINE SHOP :
www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

आठ साल पुरानी गाड़ियों पर लगेगा ग्रीन टैक्स
(समाचार पृष्ठ 4-5 पर)

गणतंत्र दिवस से पहले राष्ट्रपति का संदेश

कोविंद बोले– देश उन किसानों को सलाम करता है, जिन्होंने कोरोना के वक्त भी पैदावार कम नहीं होने दी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के 72वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देश के लोगों को शुभकामनाएं दी। सोमवार शाम को राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हर भारतीय उन किसानों को सलाम करता है, जिन्होंने हमारे बड़े आबादी वाले देश को अनाज और डेयरी उत्पादों में आत्मनिर्भर बनाया। प्राकृतिक आपदाओं, कोरोना महामारी और कई अन्य चुनौतियों के बावजूद हमारे किसानों ने उत्पादन जारी रखा, जिससे हम कोरोना की लड़ाई जारी रख सके। (शेष पृष्ठ 3 पर)

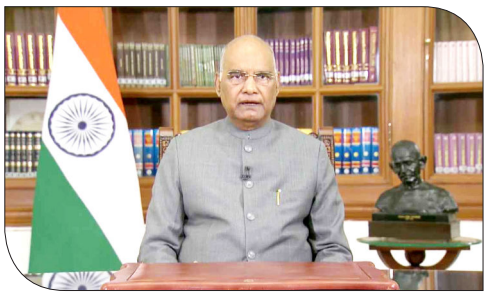

वैक्सीन लगवाने की अपील की

उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि कोरोना के खतरे के कम होने के साथ ही अब हम पर्यावरण संरक्षण को ग्लोबल लेवल पर प्राथमिकता से लेंगे। वैक्सीनेशन का जिक्र करते हुए उन्होने कहा कि एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ सर्विस पूरी सतर्कता के साथ वैक्सीनेशन प्रोग्राम को सफल बनाने में लगे हुए हैं। मैं देशवासियों से अपील करता हूं कि वे इस लाइफलाइन का लाभ उठाएं और गाइडलाइन के मुताबिक वैक्सीन का डोज लगवाएं।

एनसीबी के हत्थे चढ़ा दाऊद के भाई का खास गुर्गा

रेड के दौरान खिड़की से कूद कर हुआ था फरार

संवाददाता

मुंबई। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने रविवार देर रात ड्रग्स माफिया आरिफ भुजवाला को महाराष्ट्र के रायगढ़ से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार माफिया दाऊद इब्राहिम के भाई अनीस इब्राहिम का खास बताया जा रहा है। एनसीबी टीम को इसकी कई दिनों से तलाश थी। भुजवाला की गिरफ्तारी के बाद दुबई के ड्रग सिंडिकेट मामले में बड़ा खुलासा हो सकता है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

चार फैक्ट्री में मारी गई थी रेड

चिंकू की चार ड्रग्स की फैक्ट्रियों पर पिछले हफ्ते बुधवार देर रात छापेमारी की गई थी। यहीं से एनसीबी ने करोड़ों रुपए की नकदी, ड्रग्स और हथियार बरामद किया था। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से मुंबई में ड्रग्स माफिया के खिलाफ एनसीबी की कार्रवाई लगातार जारी है। चिंकू पर कार्रवाई भी उसी का हिस्सा था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

टीके का असर

अनेक देशों में टीकाकरण अभियान जोर पकड़ चुका है, जिसे लेकर खुशी और कौतूहल का माहौल है। साथ ही, लोग बेसब्री से यह भी जानना चाहते हैं कि टीके कितने कारगर हैं? इंतजार कर रहे लोगों के लिए खुशखबरी है कि टीके के प्रभाव के बारे में शुरूआती संकेत मिलने लगे हैं। इजरायल में शोधकर्ताओं ने प्रारंभिक आंकड़ों का अध्ययन करके बताया है कि टीका लेने वालों के संक्रमित होने की आशंका टीका न लेने वालों की तुलना में एक तिहाई कम है। पहली खुराक के बाद के ये शुरूआती संकेत आशा जगा रहे हैं। जब व्यापक रूप से आंकड़े आएंगे, तब ज्यादा बेहतर ढंग से पता चलेगा कि टीकों की समग्र गुणवत्ता कैसी है। टीकों को और विकसित करने के लिए पुख्ता आंकड़ों का होना जरूरी है। वैक्सीन की मात्रा, प्रभावशीलता और पुनर्संक्रमण का अध्ययन बहुत जरूरी है। यह गौर करने की बात है कि इजरायल और संयुक्त अरब अमीरात टीकाकरण में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं। दोनों देशों ने अपनी आबादी के लगभग एक चौथाई का टीकाकरण कर लिया है। ब्रिटेन में भी पिछले सप्ताह ही 40 लाख से अधिक लोगों का टीकाकरण हो चुका है। अभी यह ध्यान रखने की बात है कि जिन लोगों का टीकाकरण पहले हो रहा है, उनमें से ज्यादातर स्वास्थ्यकर्मी और वृद्ध या बीमार लोग हैं। ये सभी ज्यादा जोखिम वाले लोग हैं। ऐसे लोगों के आंकड़ों के अलावा आम स्वस्थ लोगों के आंकड़ों का अध्ययन ज्यादा काम आएगा। इजरायल में शोधकर्ताओं को यह संकेत मिला है कि फाइजर बायोएनटेक द्वारा विकसित टीके की दो खुराक से संक्रमण को रोका जा सकता है या टीका प्राप्त लोगों में संक्रमण की अवधि को कम किया जा सकता है। टीका पाने वाले दो लाख लोगों की तुलना टीका न पाने वाले दो लाख लोगों से की गई है। पहला टीका पाने के दो सप्ताह बाद कोरोना संक्रमण की आशंका 33 प्रतिशत कम पाई गई है। इसका कतई यह मतलब नहीं कि टीका 33 प्रतिशत ही कारगर है। तेल अवीव में इजरायल के सबसे बड़े स्वास्थ्य सेवा प्रदाता क्लैटिट हेल्थ सर्विसेज के महामारी विशेषज्ञ रैन बॉलर कहते हैं, 'हम इस प्रारंभिक परिणाम को देखकर खुश हैं।' वह उम्मीद करते हैं कि टीके की दूसरी खुराक के बाद अधिक निर्णायक परिणाम मिलेंगे। मतलब,पहली खुराक के दो सप्ताह बाद ही जब सकारात्मक परिणाम मिलने लगे हैं, तब पूरी संभावना है कि दो खुराक के बाद टीका 90 प्रतिशत से ज्यादा प्रभावशीलता हासिल कर लेगा। गौर करने की बात है, जो टीके इस्तेमाल किए जा रहे हैं, उनको क्लिनिकल ट्रायल में पहले ही 90 प्रतिशत तक कारगर पाया गया है। बहरहाल, टीका पाने के बाद भी लोग संक्रमण के वाहक बनेंगे या नहीं, यह जानने में अभी वक्त लगेगा, लेकिन यह संकेत तो साफ है कि टीका लोगों को सुरक्षा कवच प्रदान करने लगा है। जहां तक इजरायल का प्रश्न है, वहां 75 प्रतिशत से अधिक वृद्धों को टीका लग चुका है और डॉक्टरों व वैज्ञानिकों को उम्मीद है, आने वाले दिनों में इन वृद्धों के अस्पताल में भर्ती होने की संख्या में भारी कमी आएगी। ये शुरूआती संकेत साफ इशारा हैं कि दुनिया के तमाम देशों को टीकाकरण में तेजी लानी चाहिए। टीकाकरण अभियान को ज्यादा गंभीरता से लेना चाहिए, ताकि दुनिया फिर पहले की तरह सहज हो पाए।

बाइडेन की मोदी से क्या पटेगी?

नहीं। वैसे कतई नहीं जैसे डोनाल्ड ट्रंप से पटी थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परिस्थितिजन्य, वक्त की राम मिलाई जोड़ी थे। यह अलग बात है कि बावजूद इसके डोनाल्ड ट्रंप से भारत का भला नहीं हुआ। भारत के नौजवान आईटी पेशवरों, वीजाधारकों और व्यापार के साथ बुरा हुआ लेकिन नरेंद्र मोदी को निजी तौर पर छप्पन इंची छाती में ट्रंप की शाबाशी का मुनाफा था। ट्रंप-मोदी ने निजी स्वार्थ में विदेश नीति का कबाड़ा किया, राजनीति की और इसका नतीजा भारत को अब बाइडेन प्रशासन में भुगतना होगा। आजाद भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के इतिहास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आर्थिकी में नोटबंदी जैसी ही विदेश नीति में यह महागलती थी जो अमेरिका की जमीन में मोदी ने नारा लगाया 'अबकी बार ट्रंप सरकार'! हां, सितंबर 2019 में अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में भारतीय मूल के लोगों की भीड़ के 'हाउडी मोदी इवेंट' में डोनाल्ड ट्रंप को महान बनाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था- ट्रंप ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को दोबारा मजबूत बनाया है। उन्होंने अमेरिका को काफी कुछ दिया है। दोस्तों! हम भारत के लोग प्रेसिडेंट ट्रंप के उम्मीदवार के तौर पर दिए गए नारे 'अबकी बार, ट्रंप सरकार' से जुड़ाव महसूस करते हैं। जब मैं उनसे पहली बार मिला तो उन्होंने कहा कि भारत का सच्चा दोस्त व्हाइट हाउस में बैठा है। आपकी (ट्रंप) आज यहां मौजूदगी इस बात की गवाह है।

सो आगे जब नरेंद्र मोदी अमेरिका जा कर बाइडेन की लल्लो-चप्पो करेंगे तो क्या वे कहेंगे कि ट्रंप भारत का सच्चा दोस्त नहीं था, बल्कि आप हैं? आप चीन-पाकिस्तान के आगे हमारे वैसे ही सरंक्षक रहें जैसे ट्रंप थे! आप कश्मीर पर, मानवाधिकार, लोकतंत्र पर मेरे से सवाल मत कीजिए। हम यदि वापस सर्जिकल ऑपरेशन से पाकिस्तान की तबाही का हल्ला करें तो मौन रह कर समर्थन कीजिएगा। मैं सच्चा लोकतंत्रवादी हूं ट्रंप जैसा फर्जी और लोकतंत्र को कमजोर बनाने वाला नहीं। मैं मानवाधिकारों का रक्षक हूं न कि भक्षक! क्या राष्ट्रपति बाइडेन और उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ऐसी कूटनीति से नरेंद्र मोदी को गले लगाएंगे? कतई नहीं। वे मास्क लगाए रहेंगे, प्रधानमंत्री से दूर रहेंगे और 'हाउडी मोदी इवेंट' जैसी हल्लेबाजी से भी दूर रहेंगे। इसलिए क्योंकि पूरी डेमोक्रेटिक पार्टी, संसद, बाइडेन प्रशासन जान गया है कि राष्ट्रपति चुनाव में भी भारतवंशी अमेरिकियों में गुजरातियों ने ही डोनाल्ड ट्रंप को ज्यादा वोट दिए। बाकी तमाम भारतवंशियों ने ट्रंप के रावण राज को खत्म करने के लिए बाइडेन को वोट दिया। अमेरिका की राजनीति में अब गुजराती मूल के वोटर अलग-थलग हो गए हैं। इसका बारिक प्रमाण है कि बाइडेन प्रशासन में शामिल कोई बीस भारतवंशियों में गुजराती और भाजपा-आरएसएस से कथित लिंक वाला एक भी शख्स शामिल नहीं है। एक मीडिया रपट अनुसार डेमोक्रेटिक पार्टी में पहले से चले आ रहे औ ओबामा प्रशासन में भी रहे सोनल शाह व अमित जानी को बाइडेन टीम में जगह नही मिली है। इसलिए कि इनके खिलाफ वहां के भारत-अमेरिकी संगठनों ने बाइडेन टीम में यह लॉबिंग की थी कि ये आरएसएस/भाजपा समर्थक हैं।

इसलिए तय सा मानें की 138 करोड़ लोगों की आबादी वाले देश के नाते, सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के नाते और इस्लाम को लेकर ईसाई-हिंदू सभ्यतागत ग्रंथियों में राष्ट्रपति बाइडेन और उप राष्ट्रपति कमला हैरिस जरूर भारत समर्थक रहेंगे लेकिन वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति चमकाने वाली गर्मजोशी कतई नहीं दिखाएंगे। उलटे कश्मीर, मानवाधिकार, लोकतंत्र पर सवाल-दर-सवाल होते रहेंगे। अमेरिकी रक्षा-विदेश नीति में वह परिवर्तन होगा, जिसमें वैश्विक व्यवस्था-ऑर्डर की महत्ता में पाकिस्तान और चीन से बेहतर रिश्तों पर जोर बनेगा। क्यों? इसलिए कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी सरकार का यह सूत्र बता रखा है कि अमेरिका अपने व्यवहार से अपनी पॉवर इमेज बनाएगा! मतलब वह दुनिया में मानवाधिकार, लोकतंत्र, सत्यता, पारदर्शिता की रक्षा और उसको प्रोत्साहन देगा, वैसा करने की पुण्यता का पॉवर दिखाएगा। उस नाते भले उप राष्ट्रपति कमला हैरिस हों या बाइडेन का ऐतिहासिक राष्ट्रपति भाषण लिखने वाले भारतवंशी विनय रेड्डी और प्रशासन से जुड़े सभी भारतवंशी से लेकर अमेरिकी संसद की सर्वाधिक ताकतवर कमेटी कांग्रेसनल प्रोग्रेसिव कॉकस की अध्यक्ष निर्वाचित सांसद प्रमिला जायपाल हों सभी मोदी सरकार की दशा-दिशा को लेकर अनिवार्य रूप में ट्रंप-मोदी की राममिलाई जोड़ी पर पहले से राय बनाए हुए हैं। वे मोदी को ट्रंप के आइने में देखेंगे। निश्चित ही इन सबकी राय में भारत पक्षधरता पुरानी (डेमोक्रेटिक पार्टी के परंपरागत रूझान अनुसार) है लेकिन नरेंद्र मोदी के प्रति वह पक्षधरता कतई नहीं, जो ट्रंप के निजी स्वार्थ, मूर्खताओं के चलते थी।

सो, अमेरिका बदल गया है। प्रमाण में हम भारतीयों के लिए गौरवपूर्ण यह गौरतलब तथ्य है कि इस बदलाव को लिखने वाला भारतवंशी विनय रेड्डी है। हम-आप सब भारतीयों को गौरवान्वित होना चाहिए जो भारतवंशी विनय रेड्डी के लिखे शपथ भाषण को अमेरिकी मीडिया ने इतिहासजन्य और अमेरिकी लोकतंत्र का सत्व-तत्व बताया है। बाइडेन का शपथ के वक्त जो भाषण हुआ उसकी एक-एक लाइन पर दुनिया के सभ्य समाज, लोकतांत्रिक समाज में तालियां हैं। इस भाषण में बाइडेन प्रशासन के एजेंड़े को बताने वाली एक लाइन है कि- हमें हर हालत में उस संस्कृति को खत्म करना है, जिसमें तथ्य (सत्य) गढ़े जाते हैं, उनके साथ खेला जाता है और उन्हें उत्तरोत्तर आगे बढ़ाया जाता है। जाहिर है बाइडेन-कमला की टीम और उसमें भिन्न-भिन्न पदों पर आए भारतीय मूल के 20 लोगों की कमिटमेंट, प्रतिबद्धता है जो वे हर फैसला, हर नीति में यह कसौटी लिए हुए होंगे कि ट्रंप के असुर राज में क्या था। जो था उसके ठीक उलट वे विचार करेंगे। जवाबतलब करेंगे। जब ऐसा होना है तब भला ट्रंप की राममिलाई जोड़ी के नरेंद्र मोदी के प्रति बाइडेन सर्द रवैया अपनाए होंगे या गर्म रवैया? तथ्य ध्यान रखे कि ट्रंप प्रशासन में अमेरिकी ससंद की विधायिका कमेटी की चेयरपर्सन प्रमिला जायपाल ने कश्मीर मुद्दे पर जब सुनवाई चाही थी तो भारत के विदेश मंत्री जयशंकर का घबराहट दर्शाने वाला स्टैंड था कि वे प्रमिला के आगे पक्ष नहीं रखेंगे! और अब प्रमिला और उनकी सोच की प्रतिनिधि डेमोक्रेटिक पार्टी की सरकार है और वे इस प्रशासन में, संसद की और ताकतवर कमेटी की चैयरपर्सन बनी हैं तो मोदी सरकार जवाबतलब से कैसे बचेगी? अमेरिकी चुनाव में नतीजा यह भी है कि हिंदुवादी सोच वाले जो चेहरे थे वे संसदीय चुनाव में बतौर उम्मीदवार हारे हैं। सांसद कुलकर्णी चुनाव हार गए तो पूर्व सांसद तुलसी गाबार्ड की राजनीतिक जमीन खिसकी। ये सब चुनाव के वक्त मोदी-भाजपा-संघ विरोधी भारतीय मूल के संगठनों की प्रभावी कैंपेनिंग से हाशिए में गए हैं। अमेरिकी राजनीति का सर्वविदित तथ्य है कि भारतवंशी हमेशा डेमोक्रेटिक पार्टी का वोट आधार रहे। मगर 2014 में नरेंद्र मोदी के जादू से अधिकांश भारतवंशी भाजपा मुरीद हुए तो ट्रंप के मुस्लिम विरोधी हुंकारे में उनके भी दिवाने हुए।

काबुल: बाइडन जल्दबाजी न करें

अमेरिका का बाइडन प्रशासन डोनाल्ड ट्रंप की अफगान-नीति पर अब पुनर्विचार करने वाला है। वैसे तो ट्रंप प्रशासन ने पिछले साल फरवरी में तालिबान के साथ जो समझौता किया था, उसकी प्रशंसा सर्वत्र हो रही थी लेकिन उस वक्त भी मेरे जैसे लोगों ने संदेह प्रकट किया था कि इस समझौते का सफल होना कठिन है। लेकिन ट्रंप जैसे उथले आदमी ने यह रट लगा रखी थी कि राष्ट्रपति के चुनाव के पहले ही अमेरिकी फौजियों को अफगानिस्तान से वे वापस बुला लेंगे। उन्होंने इसे अपना चुनावी मुद्दा भी बना लिया था। अमेरिकी मतदाता के लिए यह खुशी की बात थी कि अमेरिकी फौजियों के ताबूत काबुल से न्यूयार्क आना बंद हो जाएं। यह भी सही है कि तालिबान ने पिछले एक साल में बहुत कम अमेरिकी ठिकानों को अपना निशाना बनाया और अमेरिकी फौजी नहीं के बराबर मारे गए लेकिन अफगानिस्तान का कौनसा हिस्सा है, जहां तालिबान ने पिछले एक साल में हिंसा नहीं फैलाई ? काबुल, कंधार, हेरात, जलालाबाद, हेलमंद, निमरुजझ कौनसा इलाका उन्होंने छोड़ा है। अब तक वे लगभग एक हजार लोगों को मौत के घाट उतार चुके हैं। उनमें अफगान फौजी और पुलिस तो हैं ही, छात्र, किसान, व्यापारी, नेतागण और सरकारी अफसर भी हैं। अफगानिस्तान के 80 प्रतिशत से ज्यादा इलाकों पर उनका कब्जा है। वे सरकार की तरह लोगों से टैक्स वसूलते हैं, राज करते हैं और काबुल की गनी-सरकार को वे अमेरिका की कठपुतली कहते हैं। गनी सरकार भी मजबूर है। उसे दोहा में हुए समझौते को स्वीकार करना पड़ा। उसे पता है कि अमेरिकी और नाटो फौजी की वापसी के बाद उनकी सरकार का जिंदा रहना मुश्किल है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

गणतंत्र दिवस से पहले राष्ट्रपति का संदेश

उन्होंने कहा कि हमारा देश किसानों की भलाई के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कोविंद ने कहा कि विविधता के बाद भी हमारा देश एकजुट है। हमारे देश में अलग-अलग धर्मों के त्योहार मनाए जाते हैं। उसी तरह राष्ट्रीय त्योहारों को भी सभी लोग देशभक्ति के साथ मनाते हैं। यह वह दिन है, जो संविधान के मूल मूल्यों पर निर्भर करता है। हमारे संविधान के ये मूल्य न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व हैं। जिसका हम सभी को पालन करना होता है। राष्ट्रपति ने कहा कि लद्दाख में सियाचिन और गलवान घाटी की ठंड जहां तापमान माइनस 50 से माइनस 60 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है या फिर जैसलमेर की चिलचिलाती गर्मी, जहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस रहता है। जमीन पर, आसमान में और समुद्री इलाकों में हमारे योद्धा पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमारे वैज्ञानिक, डॉक्टर्स, एडमिनिस्ट्रेटर्स और देश की जनता ने कोरोना की लड़ाई में आगे बढ़कर योगदान दिया। इसी वजह से विकसित देशों की तुलना में हमारे देश में कोरोना की वजह से मृत्यु दर पर काबू पाया जा सका। उन्होंने कहा कि हमारे किसान, जवान और वैज्ञानिक खास बधाई और प्रोत्साहन के हकदार हैं। उन्होंने कहा कि बिहार जैसी घनी आबादी वाले राज्य, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख जैसे चुनौती भरे इलाकों में निष्पक्ष और सुरक्षित चुनाव कराकर हमारे लोकतंत्र और चुनाव आयोग ने सराहनीय काम किया है। इस दौरान आयोग ने कई चुनौतियों का सामना किया और सभी को पार करते हुए सफलता पाई। पिछले साल देश ने अलग-अलग तरह के हालात का सामना किया। बॉर्डर पर हमें एक विस्तारवादी कदम का सामना भी करना पड़ा, लेकिन हमारे बहादुर सैनिकों ने इसे नाकाम कर दिया। देश की रक्षा के लिए 20 जवानों ने अपनी जान गंवा दी। देश उन्हें हमेशा याद रखेगा।

एनसीबी के हत्थे चढ़ा दाऊद के भाई का खास गुर्गा

पिछले सप्ताह एनसीबी ने करीम लाला के रिश्तेदार चिंकू पठान की गिरफ्तारी के बाद दाऊद इब्राहिम के ड्रग्स नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए भुजवाला के घर पर छापा मारा था।भुजवाला मुंबई के डोंगरी इलाके में अपने घर पर ड्रग्स की फैक्ट्री चला रहा था। हालांकि, जब एनसीबी छापा मारने भुजवाला के घर पहुंची तब वो खिड़की से कूदकर भाग निकला था। चिंकू के पास से एनसीबी को हथियारों का एक बड़ा जखीरा, करोड़ों की नशीली दवाएं बरामद हुईं थीं। चिंकू गैंगस्टर करीम लाला का रिश्तेदार है। करीम 1960 से लेकर 1980 तक सक्रिय था। एनसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि नशीली दवाओं का कारोबार करने वाले चिंकू के खिलाफ मादक पदार्थ निरोधक एनडीपीएस अधिनियम के तहत कुछ मामले लंबित हैं। एक ड्रग पैडलर जुनैद शेख ने गिरफ्तारी के बाद चिंकू का नाम लिया था, जिसके बाद एनसीबी ने उसके ठिकानों पर रेड की। एनसीबी ने जुनैद को मुंबई के पाइधोनी इलाके से मेफड्रॉन ड्रग्स के साथ अरेस्ट किया था। 2019 में भी डोंगरी पुलिस ने चिंकू पठान को 30 लाख रुपए की प्रतिबंधित दवाओं के साथ गिरफ्तार किया था। इलाके में चिंकू को भारी समर्थन की वजह से पुलिस को खासे विरोध का सामना भी करना पड़ा था।

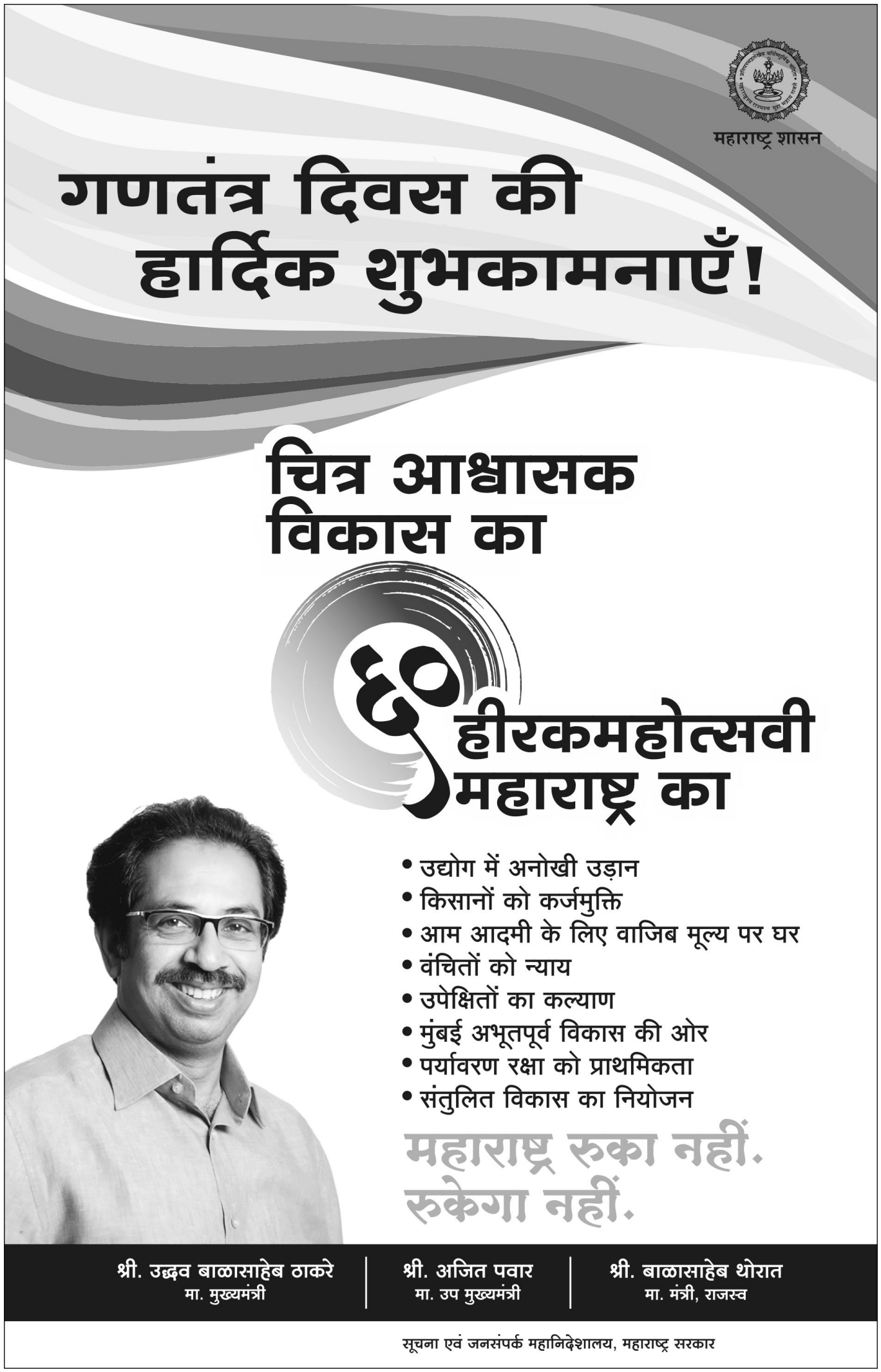

DGIPR/2020-21 / C 1988

मुस्लिम समाज अगर मुत्तहिद नहीं हुआ तो वो दिन दूर नहीं की हमसे हमारा मत अधिकार भी छीन लिया जाएगा : नदीम कुरैशी

नवी मुंबई। मुस्लिम सेवा संघ के कार्यकर्ता सम्मेलन में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए मुस्लिम सेवा संघ के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कोर कमेटी के मेम्बर नदीम कुरैशी ने कहाँ आज पूरे देश मे संगठन आपने कार्य को बखूबी निभा रहा है हमारे संगठन का उद्देश्य मुस्लिम समाज को शिक्षा एवं रोजगार के क्षेत्र में मजबूती प्रदान करना है उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में एवं महाराष्ट्र के 34 जिलों में एवं अन्य राज्यों में संगठन के पदाधिकारी कड़ी मेहनत से गरीब और मजलूमों को मदत पहुंचाने में हर तरहां से सक्षम हैं समाज के लोग टांग खीचने की जगह अपने समाज के जिम्मेदारो का हाथ खीचना शुरू करें, समाज मे राजनैतिक लोगों को हर हाल में

आगे बढ़ाने का काम करें खासकर समाज के युवाओं को राजनीति में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए तभी जाकर सरकारों में हमारा दखल होगा सड़को पर आंदोलन करने से कुछ नही होता है सदन के अंदर आंदोलन करने वालो की सुनवाई होती है इस दौर में, मुस्लिम समाज की स्थिति आज दलित समाज से भी बदत्तर है इसकी सीधी बजह है कि फिरका परस्त ताकतों ने मुस्लिम समाज को फिरकों में बाट दिया है मुस्लिम समाज आज अगर मुत्तहिद नही हुआ तो वो दिन दूर नही की हमसे हमारा मत अधिकार भी छीन लिया जाएगा, इतिहास उठा कर अगर देखा जाये तो देश को आजादी दिलाने में हमारे पुरखों ने भी कुर्बानी दी है लेकिन उनको कहीं याद नही किया जाता है, हम वतन परस्त हैं जरूरत पड़ी तो देश के लिये कुर्वानी भी दे सकते हैं, लेकिन आज मुस्लिम समाज को रुसवाई के सिवा कुछ नही दिया जाता है। कार्यकर्ता सम्मेलन में मुस्लिम सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष फिरोज मासुलदार, महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष सायरा शेख,नवी मुंबई अध्यक्ष शमशुद्दीन मोमिन, राष्ट्रीय सचिव, सईद कुरैशी, मुंबई उपाध्यक्ष मो आरिफ, मुंबई उपाध्यक्ष वसीम कुरैशी, शजर अली अंसारी, के अलावा तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गलवान घाटी हमले के नायक कर्नल संतोष बाबू को मरणोपरांत महावीर चक्र से किया गया सम्मानित

नई दिल्ली। पिछले साल जून में पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी में चीनी सेना के हमले के खिलाफ अपने सैनिकों का नेतृत्व करने वाले कर्नल बी. संतोष बाबू को मरणोपरांत दूसरे सबसे बड़े सैन्य सम्मान महावीर चक्र से नवाजा गया है। सोमवार को की गई एक आधिकारिक घोषणा के अनुसार उन्हें यह पदक

शत्रु की उपस्थिति में अदम्य साहस का परिचय देने के लिए प्रदान किया गया है। गलवान घाटी में हुई झड़प में शहीद हुए चार अन्य सैनिकों– नायब सूबेदार नुदुराम सोरेन, हवलदार (गनर) के. पलानी, नायक दीपक सिंह और सिपाही गुरतेज सिंह को वीर चक्र से सम्मानित किया गया है। भारतीय सेना की तीन मीडियम रेजिमेंट के हवलदार तेजिंदर सिंह को भी वीर चक्र से नवाजा गया है। 16 बिहार रेजिमेंट के कर्नल बाबू ने गंभीर रूप से घायल होने और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद आगे बढ़कर नेतृत्व किया और शत्रु का सामना किया। लद्दाख में भारतीय सेना ने 'गलवान के वीरों' के लिए पहले ही एक स्मारक बनाया है। स्मारक पर ऑपरेशन 'स्नो लेपर्ड' के उन पराक्रमी योद्धाओं का उल्लेख है जिन्होंने चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के सैनिकों को पीछे हटने पर मजबूर किया।

शिरीन फरीद को मिला लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2020

मुंबई। अंधेरी पश्चिम स्थित मेयर हॉल में लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2020 का आयोजन किया गया। आपको बता दें कि इस कार्यक्रम के आयोजक फिल्म डायरेक्टर कृष्णा चौहान थे। वही इस कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर संगीत निर्देशक दिलीप सेन के अलावा और कई दिग्गज मौजूद रहे। इस दौरान कई सेलिब्रिटीज को इस अवार्ड कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। इस मौके पर शिरीन फरीद को बेस्ट इंटरनेशनल परफॉर्मर ऑफ द ईयर के लिए लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2020 से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजक फिल्म डायरेक्टर कृष्णा चौहान ने बताया कि ये अवार्ड अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले लोगों को दिया गया है। जिसमें देश विदेश में तकरीबन 2000 से अधिक लाइव शो करने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस मशहूर क्लासिकल डांसर शिरीन फरीद के परफॉर्मेंस को दर्शकों ने खूब पसंद किया। लंबे लॉकडाउन के बाद लीजेंड बाबा साहेब फाल्के अवॉर्ड 2020 ने सभी के चेहरे पर खुशी भर दी।

आठ साल पुरानी गाड़ियों पर लगेगा ग्रीन टैक्स

सीएनजी, एलपीजी और हाईब्रिड वाहनों को छूट रहेगी

संवाददाता

नई दिल्ली। देश में बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने नया कदम उठाया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को 8 साल पुरानी गाड़ियों पर ग्रीन टैक्स लगाने के प्रपोजल को मंजूरी दी है। इस प्रपोजल में पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को सिलसिलेवार तरीके से बाहर करने की भी बात है। इस प्रस्ताव को नोटिफाई करने से पहले राज्यों के पास विचार-विमर्श के लिए भेजा जाएगा। प्रपोजल में कहा गया है कि 8 साल पुराने कमर्शियल या ट्रांसपोर्ट वाहनों से ग्रीन टैक्स वसूला जाएगा। यह टैक्स फिटनेस सर्टिफिकेट के रिन्युअल के समय वसूला जाएगा। ग्रीन टैक्स रोड टैक्स का 10-25%

तक होगा। पर्सनल व्हीकल से ग्रीन टैक्स 15 साल की अवधि पूरी होने के बाद रजिस्ट्रेशन के रिन्युअल के समय लिया जाएगा। एक अधिकारी के मुताबिक, ग्रीन टैक्स को लेकर केंद्र राज्यों को एक गाइडलाइन जारी करेगा। राज्य इसको अपने आप भी लागू कर सकते हैं। अभी उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र जैसे राज्य ग्रीन टैक्स जैसा कर वसूलते हैं। सरकार ने सिटी बसों जैसे पब्लिक ट्रांसपोर्ट से जुड़े वाहनों से कम टैक्स वसूलने का प्रपोजल दिया है। हालांकि, ज्यादा प्रदूषण वाले शहरों में रजिस्टर्ड गाड़ियों पर 50% तक ग्रीन टैक्स लगाया जाएगा। पेट्रोल-डीजल और गाड़ी के मॉडल के आधार पर टैक्स अलग-अलग होगा। अधिकारी ने कहा कि ग्रीन टैक्स लगाने से लोग प्रदूषण फैलाने वाले पुराने वाहनों का इस्तेमाल कम कर सकते हैं। इलेक्ट्रिक व्हीकल और कम प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों का चलन बढ़ सकता है।

इन वाहनों को ग्रीन टैक्स से छूट रहेगी: प्रपोजल के मुताबिक, हाईब्रिड व्हीकल, इलेक्ट्रिक व्हीकल, बीएनजी, एथेनॉल और एलपीजी जैसे फ्यूल वाली गाड़ियों को ग्रीन टैक्स से छूट रहेगी। खेती में काम आने वाले वाहन जैसे ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, टिलर पर भी ग्रीन टैक्स नहीं लगेगा। ग्रीन टैक्स से मिलने वाले रेवेन्यू को एक अलग खाते में जमा किया जाएगा। इस रकम का इस्तेमाल पॉल्यूशन से निपटने के लिए होगा। राज्यों में भी प्रदूषण की निगरानी के लिए मॉडर्न फैसेलिटी बनाई जाएगी।

बुजुर्ग किसान नेता शुरू करेंगे परेड, फिर किसान यूनियन और वॉलेंटियर संभालेंगे कमान

नई दिल्ली। मोदी सरकार के नए कृषि कानून के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर बैठे किसानों को 26 जनवरी पर ट्रैक्टर परेड की मंजूरी मिल गई हैं। सिंघु बॉर्डर पर 62 किलोमीटर, टिकरी बॉर्डर पर 63 किलोमीटर और गाजीपुर बॉर्डर पर 46 किलोमीटर ट्रैक्टर परेड पूरी सुरक्षा के साथ निकाली जाएगी। किसान संगठनों ने तय किया है कोई भी ट्रैक्टर किसी दूसरे ट्रैक्टर को ओवरटेक नहीं करेगा। ऐसा करने की स्थिति में ट्रैक्टर को परेड से बाहर कर दिया जाएगा। इस दौरान

लोगों को सड़कों पर आवाजाही में दिक्कत न हो इसके लिए हर 100 मीटर की दूरी पर वॉलेंटियर तैनात किए जाएंगे। जो सुबह से ही मोर्चा संभाल लेंगे। हर बार्डर से निकलने वाली इस परेड के लिए किसानों ने रोडमैप भी तैयार कर लिया है। किसान नेता हन्नान मौला ने बताया कि, परेड़ की शुरूआत सभी स्थानों से एक साथ होगी। सभी स्थानों से किसान यूनियनों के नेता पहले परेड की अगुवाई करेंगे। इसके पीछे पूरा किसानों का जत्था क्रमबद्ध तरीके से चलेगा। ये परेड दोपहर से शुरू होकर देर रात तक चलेगी। हर जगह की परेड की जिम्मेदारी अलग-अलग किसान नेताओं को सौंपी गई हैं। बुजुर्ग किसान नेता अपने वाहन या ट्रैक्टर मे रहकर अगुवाई करेंगे।

बुलढाणा हलचल

दहिद खुर्द में भूमिपुत्र अभियान को उस्फुर्त प्रतिसाद, जि.प.सदस्य ॲड.जयश्रीताई शेळके की संकल्पना कई समस्याओं का समाधान

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। आम नागरिकों के सरकारी कार्यालय में लंबित समस्याओं को हल करने के लिए जेडपी सदस्य एडवोकेट जयश्रीताई शेलके की अवधारणा से रविवार 24 जनवरी को दाहिद खुर्द में आयोजित भूमिपुत्र अभियान को नागरिकों से भारी प्रतिक्रिया मिली। ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई कार्यालयों के चक्कर और चक्कर लगाने पड़ते हैं। नागरिकों की इस समस्या पर विचार करते हुए, अधिवक्ता जयश्रीताई शेलके, जेडपी सदस्य और महाराष्ट्र प्रदेश महिला कांग्रेस समिति की महासचिव ने भूमिपुत्र अभियान की अवधारणा तैयार की। अभियान की शुरूआत

रविवार को दाहिद खुर्द से हुई। भूमि, राशन कार्ड, संजय गांधी निर्धन योजना, श्रवण बाल योजना और अन्य सरकारी योजनाओं के बारे में दाहिद खुर्द के नागरिकों से कई शिकायतें मिलीं। इनमें से कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। इसलिए सरकारी कार्यालयों में कुछ मुद्दों का पालन किया जाएगा। इस समय अभिभाषक जयश्रीताई शेलके ने भूमिपुत्र अभियान की पृष्ठभूमि बताई। उन्होंने यह भी कहा कि महिला स्वयं सहायता समूह विस्तृत मार्गदर्शन देकर ग्रामीण क्षेत्रों में समस्याओं को हल करने के लिए हमेशा तैयार हैं। कृषि समृद्धि बहुउद्देशीय फाउंडेशन के अध्यक्ष महेंद्र सौभागे ने युवाओं को उद्योग के बारे में जानकारी दी। गोपाल शेलके ने संजय गांधी निर्धन योजना, राशन कार्ड से संबंधित मुद्दों पर मार्गदर्शन दिया। इस कार्यक्रम में प्रभाकर सुरगडे, संतोष सुरगडे, मधुकर दळवी, ज्ञानेश्वर सपकाळ, तेजराव सुरगडे, प्रकाश काळवाघे, योगिता बारोटे, गवते, संजय हिवरे, दिलीप सुरगडे, सुभाष बारोटे, शेषराव सपकाळ, दौलत सुरगडे, गजानन ताठे, विलास सपकाळ, विष्णू कानोडजे, गुरुचरण बिबणे, गजानन काळवाघे, गणेश दळवी सहित कई नागरिक उपस्थित थे।

राजस्थान हलचल

मुस्लिम महासभा द्वारा शादी में दुल्हन को दिया उपहार स्वरूप सिलाई मशीन

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हूसैन

राजसमन्द। मुस्लिम महासभा की रास्ट्रीय प्रमुख फरहीन शैख, रास्ट्रीय अध्यक्ष ईमरान खान एवम रास्ट्रीय सह सचिव जाफर खान फौजदार की अनुशंसा पर मुस्लिम महासभा के संस्थापक मरहूम यूनुस शेख साहब एवम मरहूम हाजी शफीमोहम्मद छीपा की याद में मुस्लिम महासभा राजसमन्द के मुख्य पदाधिकारियों द्वारा आमेट में विवाह के दरमियान नव विवाहित दुल्हन को एक सिलाई मशीन पेरदान सहित दी गई साथ ही दुल्हन को सभी पदाधिकारियों ने दुआओ से नवाजा गया। इस दौरान मुस्लिम महासभा के रास्ट्रीय सह सचिब जाफर खान फौजदार, राजसमन्द जिलाउपाध्यक्ष तुफैल अहमद उस्ता, संगठन मंत्री हमीद खान पठान, ब्लॉक आमेट अध्यक्ष ईलाहीबख्श कुरेशी, ब्लॉक उपाध्यक्ष आजाद शाह, मकबूल शाह, राजू खान, मुनी खान, सायरा खान, बिलकिश खानम काजी शफी मोहम्मद,आदि उपस्थित रहे।

अमरावती हलचल

ए फैशन स्पोर्ट्स वियर का भव्य शुभारंभ

विदर्भ केसरी भंडारा केसरी सोएब पहलवान के हाथों रिबन काटकर किया गया उद्घाटन

अल फतह स्पोर्टिंग क्लब द्वारा संचालित, पश्चिम अमरावती की एकमात्र स्पोर्ट्वेयर शॉप का उद्घाटन यूथ आईकॉन विदर्भ केसरी सोएब पहलवान के हाथों रिबन काटकर भव्य शुभारंभ किया गया स्पोर्ट को बढ़ावा देने हेतु काम करने वाले अल फतहा स्पोर्टिंग क्लब द्वारा अपनी नई शॉप का उद्घाटन शोएब पहलवान के हातो किया गया। लाल खड़ी रोड अबुल हसन मार्ग क्रेज हेल्थ क्लब जिम के सामने सामने रविवार शाम को किया गया हालहि मे भंडारा केसरि का खिताब जितकर शहर अमरावती का नाम रौशन कर चुके शोएब पहलवान का ईस समय भव्य सत्कार सम्मान प्रतिष्ठान संचालक, अमिन शेख मोबिन शेख सलमान खान ए.टि.एस के हातो किया गया। इस समय एआईएमआईएम शहर अध्यक्ष सलाहोददिन खान, शेर ए हिंद टिपु सुलतान संघठन के सलमान खान ए.टि.एस, मुस्लिम युथ लिग के मतिन राज, रिजवान एस.आर, शाकिर हुसैन शटरवाले, युवा स्वाभिमान के जैनु भाई, अब्दुल हमीद, सजिल सर, साजिद अलि, अरशद भाई, एजाज भाई, इमरान भाई बडनेरावाले, तौसिफ भाई, यह सभि प्रमुखता से उपस्थित।

रामपुर हलचल

भारत रत्न स्व० अटल बिहारी बाजपेयी जी महोत्सव उदघाटन समारोह दिन बुधवार 27 जनवरी 2021 दोपहर तीन बजे निकट झण्डा चौक पर किया जायेगा

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। भारत रत्न स्व० अटल बिहारी बाजपेयी जी महोत्सव उदघाटन समारोह दिन बुधवार 27 जनवरी 2021 दोपहर तीन बजे निकट झण्डा चौक पर किया जायेगा जिसके मुख्य अतिथि जिलाधिकारी आंजनेय कुमार सिंह वीशिष्ठ अतिथि जिलाध्यक्ष भाजपा अभय गुप्ता पुलिस अधीक्षक शगुन गौतम,अपर पुलिस अधीक्षक संसार सिंह,सी.डी.ओ गजल भारद्वाज, सिटि मजिस्ट्रेट रामवीर मीश्रा,ए.डी.एम फाइनेन्स रामभरत तिवारी,सी.एम.ओ संजीव यादव,अपर जिलाधिकारी जगदम्बा प्रसाद गुप्ता,एस.डी.एम निधि डोडवाल, अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा, पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहां प्रतिनिधी मकसूद लाला,जे.ई अभियन्ता दीपक कुमार शाह, वरिष्ठ लिपिक राजकुमार शुक्ला, लिपिक धनीराम सैनी द्वारा महोत्सव समारोह के दौरान अलग अलग तिथियों में देश भक्ति गीत,बुगी बुगी डांस शो एवं फरमानी नाज आशु बच्चन, वन्दना मिश्रा म्यूजिकल नाईट, बच्चा कव्वाल, जूनियर अमिताभ बच्चन एवं आसम म्यूजिकल ग्रुप,जूगनू जादूगार व किशोर रफी नाइट,राक बैण्ड दिल्ली म्यूजिकल प्रोग्रम,शाम.ए.गजल कमाल खान व प्रीपती त्रिपाठी लखनऊ,आल इण्डिया मुशायरा, जिसके आयोजन अध्यक्ष मेहनाज जहां पत्नी मकसूद लाला एवं समस्त सभासद गण नगर पालिका परिषद टाण्डा भारत रत्न स्व० अटल बिहारी बाजपेयी के नाम से महोत्सव में होने वाले प्रोग्राम जिसमें अनेकों प्रकार के झूले एवं दुकानों का प्रबन्ध किया जा रहा है महोत्सव अपनी काम्याबी की ओर चलता दिखाई दे रहा है। आशा व्यक्त की जा रही है कि महोत्सव में होने वाले अनेकों प्रकार के म्यूजिकल प्रोग्राम सफल होने की सम्भावनाऐं व्यक्त की जा रही हैं। जिसमें नगर वासियों की भी उत्सुकता दिखाई दे रही है मु०अनीस अंसारी व्यापार मंडल युवाध्यक्ष मु० सलीम कसगर, विनोद कुमार वर्मा, पप्पन सक्सैना, शिव प्रसाद सैनी, निलेश शर्मा, जिलामंत्री भाजपा अ०सलाम ,मु०शरीफ ठेकेदार सहित सभी ने होने वाले महोत्सव की सराहना की गई।

क्षेत्र में बर्डफलू की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं जबकि सरकार बर्डफ्लू को लेकर बेहद गम्भीर है

टाण्डा (रामपुर)। क्षेत्र में बर्डफलू की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं जबकि सरकार बर्डफ्लू को लेकर बेहद गम्भीर है क्षेत्र में जगह जगह कौआ जैसा पक्षी म्रत पाये जाने की सूचनाऐं भी उजागर होती नजर आ रही हैं पशु चिकित्सा विभाग ऐसे सिथति में अपनी आखें बन्द किये बैठा हुआ है बाजार के अन्दर खुलैं आम बिना जांच किये हुए मुर्गी का मीट बेचा जा रहा है उसको भी नजर अन्दाज किया जा रहा है। जबकि मुर्गी का मीट पोल्ट्री फार्म से 60 रुपए किलो खरीदा जा रहा है तथा खरीदार ग्रहाकों को 120रुपए तक बेचा जा रहा है।

अचानक दिल का दौरा पड़ जाने के कारण निधन

संवाददाता नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। नगर पालिका परिषद रिटायर्ड कर्मचारी प्रेम सिंह पुत्र डल्लू उम्र 75वर्षीय का अचानक दिल का दौरा पड़ जाने के कारण उनका देहान्त होगया उनके देहान्त की सूचना सूनते ही नगरवासी एवं सियासियों पास पड़ोस व रिश्तेदारियों में शैक की लहर दौड़ गई उनके घर देखने वालों का तांता लगा रहा पूर्व में वह सफाई नायक हवल्दार के पद पर तैनात थे जिनका शाम चार बजे शम्शान घोट पर अन्तिम संस्कार कर दिया गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अगर आप भी लेते हैं बार-बार जम्हाई, तो हो जाएं सावधान!

रातभर सोए न हो या पूरे दिन के काम की थकावट हो, हम दिन में कम से कम एक बार जम्हाई जरूर लेते हैं। कई बार हमें हद से ज्यादा जम्हाई आती है, जिसे हम आप बात समझकर इग्नोर कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जम्हाई का सीधा क्नेकशन हमारे मस्तिष्क से होता है। इसलिए बार-बार जम्हाई आने के भी गंभीर कारण हो सकते हैं।

आईए जानते हैं जम्हाई देती हैं किन बीमारियों के संकेत:-

- हार्ट प्रॉब्लम

बहुत ज्यादा जम्हाई आने का संबंध हार्ट प्रॉब्लम से हो सकता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता है।

- थाइरॉयड

बार-बार जम्हाई आना हाईपोथाइरॉयड डिस्म की निशानी हो सकती है। ऐसा शरीर में थाइरॉयड हॉर्मोन कम बनने पर होता है। कई बार कुछ दवाइयों के साइड इफेक्ट्स की वजह से भी ज्यादा जम्हाई आती है।

- फेफड़े संबंधी रोग

मस्तिष्क में ऑक्सिजन का बहाव कम और कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा ज्यादा होने पर फेफड़े संबंधी रोग हो सकते है। ऐसे में जम्हाई आने पर मस्तिष्क में ऑक्सिजन का फ्लो बढ़ता है और लंग्स से खराब हवा निकालने में मदद मिलती है।

- तनाव

तनाव बढ़ने पर मस्तिष्क का टेम्प्रेचर बढ़ता है और जम्हाई आती है। इससे हमें ऑक्सिजन की पर्याप्त मात्रा मिलती है व दिमाग ठंडा होता है।

- नींद की समस्या

नींद पूरी न होने, स्लीप ऐप्निया नामक डिस-ऑर्डर होने या शरीर में एनर्जी की कमी होने पर ज्यादा जम्हाई आने लगती है।

डैंड्रफ से लेकर सफेद बालों की समस्या को चुटकियों में दूर करती है ये चीजें

लड़का हो या लड़की हर कोई आजकल बालों में डैंड्रफ से लेकर बाल झड़ने तक की समस्याओं को लेकर परेशान रहता है। इन प्रॉब्लम को दूर करने के लिए आप कई तरह के प्रोडक्ट, शैम्पू और तेल इस्तेमाल करते है लेकिन किसी से भी आपको कोई फर्क नहीं पड़ता और ऐसे में आप परेशान हो जाते है। बालों की इस समस्याओं कोलेकर अब आपको परेशान होने की जरुरत नहीं। आज हम आपको बताएगे कि किस तरह आप दूध और करी पत्ते के इस्तेमाल से बाल झड़ना, सफेद बाल, दो मुंहे बाल, डैंड्रफ आदि समस्याओं से छुटकारा पा सकते है।

1. डैंड्रफ की समस्या

बालों में डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए आप करी पत्ते और दूध का इस्तेमाल कर सकते है। करी पत्तियों को पीस कर उसमें हल्का सा दूध मिला लें। इस पेस्ट को बालों की स्कैल्प पर लगा कर 3 से 4 घंटो के लिए छोड़ दे। इसके बाद ठंडे पानी से सिर धो लें। हफ्ते में कम से कम दो बार ऐसा करने से आपकी डैंड्रफ की समस्यां के साथ-साथ आपके बाल झड़ने की प्रॉब्लम भी दूर हो जाएगी।

2. मजबूत बाल

बालों को मजबूत बनाने के लिए करी पत्तियों को बारिक पीस कर उसमें ताजा दूध और नारियल का तेल मिला लें। अब इसे आप शैम्पू की तरह इस्तेमाल कर सकते है। इससे आपके बालों को अच्छी मात्रा में प्रोटीन मिलता है जिससे बालों में मजबूती आती है। इसके साथ ही इससे बाल झड़ने भी बंद हो जाते है।

3. सफेद बाल

करी पत्ते और दूध की सहायता से आप सफेद बालों को काला बना सकते हो और इससे कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता है। करी पत्तियों को धूप में अच्छी तरह से सूखा लें। सूखने के बाद इसमें नारियल का तेल मिला कर गैस पर 5-6 मिनट कर उबाल लें। उबालने के बाद इसे ठंडा करके एक डिब्बे में डाल लें। रात को सोने से इसे बालों में लगा कर छोड़ दें और सुबह उठ कर सिर को धोएं। नियमित रुप से इसका इस्तेमाल करने से आपके सफेद बाल भी काले हो जाएंगे।

4. ड्राय बाल

ड्राय बालों के सिल्की करने के लिए कच्चे दूध को 25 से 30 मिनट स्कैल्प पर लगा कर छोड़ दें। 30 मिनट बाद बालों को गुनगुने पानी से बालों को धो लें। नियमित रुप से करने से आपके ड्राय बालें की समस्या भी दूर हो जाएगी। इसके अलावा इसके इस्तेमाल से आपको दो मुंहे बालों की प्रॉब्लम भी नहीं होगी।

5. सॉफ्ट बाल

आजकल हर किसी को रुखे-सूखे बालों की समस्यां रहती है। इसे दूर करने के लिए आप करी पत्तों को पीस कर उसमें दूध, शहद और अंडे को अच्छी तरह मिला लें। इस पेस्ट को 15 ये 20 मिनट कर बालों पर लगा कर छोड़ दे। 20 मिनट बाद बालों को गुनगुने पानी से धो लें। ये पेस्ट आपके बालों में नैचुरल कंडीशनर की तरह काम करता है। जिससे आपके ड्राय बाल सिल्की हो जाते है।

Healthy रहना है तो करें मोबाइल का सही इस्तेमाल

आज के समय में शायद ही कोई शख्स ऐसा होगा जो मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करता। यह कहना गलत नहीं होगा कि हमारे बहुत सारे काम मोबाइल पर ही निर्भर है। हमारी युवा पीढ़ी तो बिस्तर पर भी इसका साथ नहीं छोड़ती। भले ही हमारे मॉडर्न लाइफस्टाइल में मोबाइल बहुत अहम रोल निभा रहा है और दूर के रिश्तों में भी नजदीकियां बनाए रखने का अच्छा साधन है लेकिन इस बात को भी नकारा नहीं जा सकता कि इससे कुछ ऐसी रेडिएशन्स निकलती हैं जो सेहत पर बुरा प्रभाव डालती हैं।

रेडिएशन मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। कैंसर, रक्त संबंधी बीमारियां और त्वचा रोगों के लिए रेडिएशन को ही जिम्मेदार माना जाता है इसलिए इसके इस्तेमाल के समय आपको कुछ सावधानियां बरतने की जरूर है ताकि आप और आपका परिवार इससे होने वाली समस्याओं से सुरक्षित रहे।

☞ ज्यादातर लोग इसे शर्ट और पेंट की पॉकेट में रखते हैं। अगर आप भी ऐसी कोई गलती कर रहे हैं तो जरा सतर्क हो जाए। इसे शरीर से दूर ही रखें।

☞ कुछ लोग घंटों तक मोबाइल कान से चिपकाए रखते हैं। ऐसा ना करें। इससे निकलने वाली रेडिएशन दिमाग पर बुरा असर डाल सकती है, जितना हो सके स्पीकर पर बात करें या ब्लूटूथ का इस्तेमाल करें।

☞ चश्मा लगाए हुए और अगर बाल गीले हो तो मोबाइल का इस्तेमाल ना करें।

☞ रात को सिर के पास और सीने से मोबाइल फोन दूर रखकर सोएं।

☞ अगर नेटवर्क सही ना हो तो बात ना करें क्योंकि इस समय रेडिएशन काफी तेजी से सिग्नल को पकड़ने की कोशिश करते हैं जो सेहत पर बुरा असर डालती है।

☞ चलते हुए मोबाइल पर बात ना करें। जब कॉल लग जाए तभी कान पर मोबाइल फोन लगाएं। रिंगिंग के दौरान रेडिएशन ज्यादा तेज हो जाते हैं।

☞ बच्चों और मरीजों से मोबाइल दूर रखें क्योंकि उन पर रेडिएशन का प्रभाव ज्यादा जल्दी होता है।

☞ बहुत सारे लोग फ्री टाइम या ट्रेवलिंग के दौरान गेम्स खेलना पसंद करते हैं और घंटों तक इसी में आंखें गढ़ाए रहते हैं। इससे एक तो आंखों पर बुरा असर पड़ता है दूसरा उनकी बॉडी रेडिएशन के संपर्क में भी ज्यादा देर रहती है जो सेहत के लिए नुकसानदायक है।

मुंबई, मंगलवार 26 जनवरी, 2021

दैनिक मुंबई हलचल®
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त
अब हर सच होगा उजागर

INDIA REPUBLIC DAY
26 January

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री. मनमोहन गुप्ता
राष्ट्रीय अध्यक्ष
(गांधी विचार मंच)

श्री. फैसल खान
उप संपादक
दै. मुंबई हलचल

श्री. दिलशाद खान
संपादक (दै. मुंबई हलचल)
राष्ट्रीय अध्यक्ष (गांधी विचार मंच)
ऑल इंडिया माइनॉरिटी सेल

श्रीमती सुंदरी ठाकुर
राष्ट्रीय अध्यक्षा (नारी सम्मान संगठन)
राष्ट्रीय अध्यक्षा (गांधी विचार मंच)
ऑल इंडिया माइनॉरिटी सेल (महिला)